लोक चेतना समिति

समाज परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध

परिवर्तन

अप्रैल से दिसम्बर 2024

ग्राम पंचायत स्तर पर किये गए कार्य

लोक चेतना समिति के कार्य क्षेत्र के 4 ब्लॉकों के 100 पंचायतों में ग्राम सभा स्थाई समिति बनी है जो संवैधानिक मूल्यों के आधार पर समाज बनाने, पंचायत के विकास कार्यों में ग्राम पंचायत में सहयोगी की भूमिका पर कार्य करने का प्रयास करती है। सभी ग्राम पंचायतों में समिति की पहचान है तथा 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत के प्रधान लोग सहयोग करते हैं। गाँव के इनफ्रास्ट्रक्चर विकास से लेकर समाज में सामाजिक सौहार्द, भाईचारा, भेद–भाव मुक्त समाज निर्माण के साथ–साथ अन्य मुद्दों पर ग्राम सभा स्थाई समिति के लोग, विशेष करके पदाधिकारी गण सघन रूप से लगे रहते हैं। बदलाव तो दिख रहा हैं लेकिन अपेक्षित बदलाव लाने के लिए बहुत कुछ करना बाकी है। तेजी से बदल रहे सामाजिक माहौल संवैधानिक समाज निर्माण में काफी चुनौतियाँ खड़ा कर रही है।

महिला चेतना समिति

लोक चेतना समिति, कार्य क्षेत्र के हर पंचायत में एक ताकत एवं नेतृत्व के रूप में देखा जा रहा है। समिति की महिलाओं का एक अलग पहचान है। गाँव की समस्याएँ, विशेष करके महिला एवं घरेलू संबन्धित समस्याओं का पहल करने में अहम भूमिका निभाती हैं। हर पंचयत में 8 से 10 महिलाएं हैं जो नेतृत्व लेने में, समस्याओं के पहल करने में सक्षम है। अपने गाँव की समस्यायों के समाधान के साथ साथ ग्राम पंचायत में हो रहें कार्यों की निगरानी कर करती हैं और पंचायत की बैठको में जाकर गाँव के मुद्दे भी रखती हैं ।

महिला चेतना समिति खण्डस्तरीय बैठक

केराकत, चिरईगांव और काशी विद्यापीठ ब्लाक में महिला चेतना समिति की खण्डस्तरीय बैठक

बैठक में चर्चा का विषयः (क) महिला संगठन की पंचायत में नेतृत्व, सक्रियता, संगठन की स्थिति व भूमिका, (ख) महिला अधिकार और महिला कानून, (ग) वर्तमान सामाजिक व राजनैतिक परिपेक्ष्य में संगठन की भूमिका

निर्णयः महिला हिंसा या अन्य मुद्दे जैसे– राशन वितरण में गड़बड़ी, आंगनवाड़ी या पंचायत सम्बंधित कोई भी समस्या हो तो, सहमति बनी है कि संगठन को आवाज उठानी चाहिए और समस्या का समाधान करना चाहिए।

स्वयं सहायता समूह एवं महिलाओं का स्वरोजगार

वर्तमान समय में, एलसीएस के कार्य क्षेत्र के चिरईगांव ब्लाक में 2854 महिलाओं का साथ 192समूह, चोलापुर ब्लॉक में 2750 महिलाओं का साथ 182 समूह, काशी विद्यापीठ ब्लाक में 2514 महिलाओं का साथ 152 समूह और केराकत ब्लाक में 2610 महिलाओं का साथ 166समूह हैं। इन सभी समूह के साथ नियमित अन्तराल पर हर 3 माह में बैठक कर कार्यकर्ता साथियों द्वरा इनका हिसाब पारदर्शिता के साथ करने के साथ साथ समूह संचालन की प्रक्रियाओं को समूहन के पदाधिकारियों और सदस्यों को सिखाया जाता है । समूह संचालन में आ रही समस्यायों (कर्ज वापसी,ब्याज वापसी और बचत) का समाधान करना भी समूह के लोगो को सिखाया जाता है । समूह के माध्यम से लगभग 20 महिलाएं स्वरोजगार कर रही हैं ।

भारत रत्न डाक्टर भीमराव अम्बेडकर की जयंती

दिनांक 14 अप्रैल को चिरईगांव, काशी विद्यापीठ, केराकत और चोलापुर ब्लाक पर डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर जी के 133वें जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया । अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत हुई ।

कार्यक्रम में अम्बेडकर जी के जीवन परिचय, संघर्ष, समाज निर्माण में उनकी भूमिका और देश के लिए आपके योगदान पर चर्चा हुई। भारत के संविधान निर्माता के रूप में तथा भेदभाव मुक्त समाज निर्माता के रूप में आपको याद किया गया.

मतदाता जागरूकता अभियान

लोक चेतना समिति के सभी कार्य क्षेत्रों में मतदाता जन जागरूकता का 10 दिन का अभियान 4 अप्रैल से 14 अप्रैल तक सघन रूप से चलाया गया।

उद्देश्यः सभी मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए शत प्रतिशत मतदान करने हेतु प्रेरित करना, 18 वर्ष के ऊपर के युवाओं को अपना–अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने हेतु प्रोत्साहित करना

अभियान का माध्यमः जन संपर्क एवं बैठक, दीवाल लेखन, नुक्कड़ सभा और पर्चा वितरण

भागीदारीः गाँव के अलग–अलग संगठन के साथी, महिला, पुरुष, युवा, एवं असंगठित मजदूर साथी

होली व ईद मिलन समारोह

लोक चेतना समिति कार्यालय के सभागार में सर्वधर्म समभाव के अंतर्गत होली मिलन और ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया । सर्वधर्म प्रार्थना एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गयी ।

मुख्य संदेशः धर्म मनुष्य के लिए है ना कि मनुष्य धर्म के लिए । ईद हो या होली, सभी त्योहार प्रेम–भाव, शांति, समता और समानता का संदेश देते हैं और मानवता ही सभी धर्मों का मूल संदेश है । हमें अन्याय और अत्याचार की होली जलाना है और भाईचारा को बढ़ाना है । एक दूसरे के धार्मिक त्योहार को मिलकर मनाने से प्रेम एवं सौहार्द बढ़ता है।

पंचायत दिवस

पंचायत दिवस के दिन, 24 अप्रैल को, कार्यक्षेत्र के चोलापुर, चिरईगांव,काशी विद्यापीठ और जौनपुर के केराकत ब्लॉक पर ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्यों, वार्ड सदस्यों और ग्राम सभा स्थायी समिति के पदाधिकारी और सदस्यों के साथ बैठक का आयोजन किया गया ।

पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत तीन प्रमुख बिंदुओं पर समझ बनाने का प्रयास किया गया, जैसे : पंचायती राज अधिनियम व उद्देश्य,प्रधान व वार्ड सदस्य की भूमिका,पंचायत के विकास में पंचायत के लोगों व ग्राम सभा की भूमिका

भागीदारीः ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्य गण, वार्ड सदस्य गण , ग्राम सभा स्थायी समिति के पदाधिकारी और सदस्य गण, कोटेदार,महिला एवं पुरुषों की भागीदारी

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस, 1 मई,पर मनरेगा मजदूर एवं अन्य असंगठित मजदूरों के साथ कार्यक्षेत्र के 4 ब्लॉकों में मजदूर दिवस मनाया गया ।

मुख्य बिंदु: मजदूरों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा,मजदूरों के अधिकार एवं बेरोजगारी, तथा उनकी आर्थिक संकट पर चर्चा.

कार्यक्रम के अंत में मनरेगा मजदूरों ने अपनी माँगों के साथ ज्ञापन तैयार कर हर ब्लॉक के खण्ड विकास अधिकारी को दिये।

सक्रिय महिलाओं का एक दिवसीय नेतृत्व विकास प्रशिक्षण

लोक चेतना समिति के कार्य कार्यक्षेत्र के चिरईगांव, चोलापुर, काशी विद्यापीठ व जौनपुर केराकत ब्लाकों में सक्रिय महिलाओं का एक दिवसीय नेतृत्व विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

ebl eghuk 2024 e

4 प्रशिक्षण

भागीदारी सं0 383

प्रशिक्षण की प्रक्रिया: ग्रूप चर्चा, रोल प्ले, विडियो क्लिप, अनुभव साझा करना,और पार्टीसिपेटरी/सहभागी

युवाओं व किशोरियों का एक दिवसीय नेतृत्व विकास प्रशिक्षण

कार्यक्षेत्र के चार ब्लाक पर युवाओं व किशोरियों का एक दिवसीय नेतृत्व विकास प्रशिक्षण का आयोजन

ebl eghuk 2024 e

4 प्रशिक्षण

भागीदारी सं0 216

प्रशिक्षण की प्रक्रिया . ग्रुप चर्चा , रोल प्ले, अनुभव साझा करना,प्रशिक्षणार्थियों की सक्रिय भागीदारी

प्रशिक्षण के प्रमुख 3 बिंदु: 1. स्वाभिमान तथा आत्म सम्मान को बढ़ाना, 2. अभिलाषा की कमी को दूर करना और 3. निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाना ।

महिला पंचायत प्रतिनिधियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण

कार्यक्षेत्र के चोलापुर और केराकत ब्लाक में महिला पंचायत प्रतिनिधियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण

विषय: पंचायत विकास में महिला नेतृत्व करें, वार्ड सदस्य की भूमिका, प्रस्ताव तैयार करने का तरीका, गाँव की समस्याओं को

पहल करने का तरीका, वार्ड सदस्य को बैठक आयोजन करने और लोगों को समझाने का तरीका, महिला हितैषी पंचायत कैसे बनाए, ग्राम पंचायत विकास योजना के तहत 29 विषयों की जानकारी भी दी गई ।

प्रशिक्षण में अलग–अलग ग्राम पंचायतों से 53 पंचायत प्रतिनिधियों की भागीदारी रही ।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस, 28 मई को, लोक चेतना समिति के चारों ब्लाक के अलग–अलग पंचायतों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

उद्देश्यः समाज में फैली हुई भ्रांतियों पर चर्चा, अन्धविश्वास से संघर्ष करना और माहवारी पर चुप्पी व संकोच छोड़ कर इस पर चर्चा करना, साफ–सफाई पर ध्यान देकर गंभीर बीमारियों से कैसे बचना है, आदि.

सम्पूर्ण क्रांति दिवस के उपलक्ष्य में युवाओं का एक दिवसीय जिला स्तरीय नेतृत्व विकास प्रशिक्षण

लोक चेतना समिति के मुख्य कार्यालय चिरईगांव में युवाओं का एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था जिस में चोलापुर, काशी विद्यापीठ, चिरईगांव और जौनपुर, केराकत ब्लाक से चयनित सक्रिय युवा व किशोरियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण की प्रक्रियारू ग्रुप चर्चा,रोल प्ले, फिल्म "इकबाल" के माध्यम से कैसे नेतृत्व को बढ़ा सकते हैं तथा अपने लक्ष्य प्राप्ति हेतु कैसे फोकस करके आगे बढ़ना है, आदि पर समझ बनाया गया।

कुल 51 युवाओं की भागीदारी

कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम कानून पर कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण

चिरईगांव के मुख्य कार्यालय पर एलसीएस के सभी कार्यकर्ताओं के साथ एक दिवसीय प्रसिक्षण आयोजन 5 जून को किया गयाजिसका विषय था, "कार्यस्थल पर महिलाओं की यौन उत्पीड़न की रोकथाम कानून"। इस पर गहरा एवं व्यावहारिक पहलुओं पर समझ बनाया गया ।साथ–साथ,कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न होने पर एक महिला कैसे सामना करती है उस पर आधारितएक विडियो क्लिप के माध्यम से अच्छी समझ बनाई गयी ।

सक्रिय महिलाओं का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण

चिरईगांव के मुख्य कार्यालय पर दिनांक 7 और 8 जून को सक्रिय महिलाओं का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसका विषय था "महिला अधिकार, जेंडर समानता व जेंडर न्याय" ।

लज्जा फिल्म दिखाकर व ग्रुप चर्चा के माध्यम से महिलाओं के बीच यह समझ बनाया गया कि कैसे महिलाएं सामाजिक ताना बाना से अपने को मुक्त कर सकती हैं और अपने परिवार की सोच व समाज में बदलाव ला सकती हैं ।कार्यक्रम में 30 चयनित सक्रिय महिलाओं की भागीदारी रही ।

समस्या समाधान

संस्था,अपने कार्य क्षेत्र में कार्य के दौरान कई समस्याएँ उभर कर आती हैं, जिसका समाधान,आपसी बातचीत एवं समजौता से हल कराने का प्रयास करती है। जैसे, पारिवारिक (पति–पत्नी के बीच के झगड़े एवं समस्याएँ, दहेज उत्पीड़न, पड़ोसी –रिश्तेदारी से झगड़े, संगठन से जुड़ी महिलाओं की समस्याएँ, किशोरियों,युवाओं आदि से जुड़ी समस्याएँ),सामाजिक एवं अन्य समस्याओं के समाधान हेतु, संबन्धित लोगों, जन संगठन के पधाधिकारी गण तथा गाँव के प्रधान के साथ मिलकर करने का प्रयास करती है। उक्त समस्याओं का सर्वे करके सथानीय कार्यलय में दोनों पक्षों को बुलाकर सुलझाने का प्रयास करती है। इस अवधि में 4 समस्याओं का पहल किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस

काशी विद्यापीठ के ग्राम पंचायत टिकरी ,चोलापुर के ग्राम पंचायत खरदहा और बनारस महिला महाविद्यालय अखरी में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के दिन, 12 अगस्त को,युवा,अधिकार व समानताके विषय पर युवाओं के साथ चर्चा का आयोजन किया गया।

युवाओं का कहना था कि, आज के परिपेक्ष में उनको सही राह दिखाने वाले, साथ लेने वालों की कमी दिख रही है। इस कारण युवा अपने अधिकार व समानता पर ध्यान नहीं दे रहे हैं, गलत रास्ते को बहुत ही सरलता से अपना रहे हैं।

कालेज में 40 युवा और पंचायतो में 60 युवाओं की भागीदारी रहीं

स्वतंत्रता दिवस

राष्ट्रीय पर्व स्वत्रन्त्रता दिवस के दिन मुख्य कार्यलय के साथ अन्य सभी कार्यालयों में झंडारोहण के साथ–साथ, विचार गोष्ठी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

महिलाओं का आर्थिक स्वावलंबन (स्वरोजगार) हेतु क्लस्टर प्रशिक्षण

कार्यक्षेत्र में गठित सभी समूहों के साथ लगातार क्लस्टर प्रशिक्षण किया गया जिसमें समूहों की स्थिति का मूल्यांकन किया गया और समूह की महिलाओं को स्वरोजगार करने हेतु प्रेरित किया गया ।

सभी ब्लॉकों में कुल 30 क्लस्टर प्रशिक्षण किया गया जिसमें 300 समूह से 900 महिलाओं की भागीदारी रही ।

महिलाओं के लिए रोजगार प्रशिक्षण

मुख्य कार्यालय चिरईगांव, काशी विद्यापीठ के औढे और केराकत के रतनुपुर कार्यालय में समूह की महिलाओं को वाशिंग पाउडर/सर्फ बनाने का प्रशिक्षण दिया गया ।

कुल 14 समूह की 60 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया

उत्तर प्रदेश पंचायती राज अधिनियम पर आधारित शोध कार्य के अंतर्गत ग्राम सभा विषय पर लोक विमर्श..

तीसरी सरकार अभियान के सहयोग और मार्गदर्शन में लोक चेतना समिति द्वारा काशी विद्यापीठ, चोलापुर, चिरईगांव व केराकत ब्लॉक के 14 पंचायतों में, लोक विमर्श का कार्यक्रम आयोजित किया गया। हर कार्यक्रम पास के 3 ग्राम पंचायतों के प्रधान,पूर्व प्रधान,वार्ड सदस्य ,पंचायत सहायक, आगनबाडी, आशा, के साथ–साथ संगठन के सक्रीय महिला एवं पुरुषों की भागीदारी रही ।

सभी कार्यक्रम पंचायत सचिवालय या सार्वजनिक जगहों पर आयोजित किया गया ।

उद्देश्य : ग्राम पंचायत व ग्राम सभा सदस्य के काम और भूमिका पर समझ बनाना

निर्णय : 1. ग्राम सभा की बैठक साल में 2 बार,पंचायत सदस्यों की बैठक 12 होनी चाहिए।

2. खुली बैठक में सचिव का होना जरूरी है।

3. खुली बैठक में पंचायत के वोटर का 15 प्रतिशत की भागीदारी होनी चाहिए, लेकिन बड़ी संख्या में नहीं

4. खुली बैठक को सफल और विवाद से मुक्त करने हेतू पंचायत सदस्यों को अपने अपने वार्ड सभा में बैठक कर समस्याओं को चिन्हित कर कार्ययोजना बनाकर खुली बैठक के पहले पंचायत बैठक में समस्या दर्ज करवाना है, तथा बैठक में अपने वार्ड से कुछ सद्स्यों को, कम से कम 10 लोगों की भागीदारी कराए जिस में महिला पुरूष की बराबर की भागीदारी हो ।

बेटी दिवस अभियान

लोक चेतना समिति के द्वारा वाराणसी और जौनपुर में 14 सितम्बर से 22 सितम्बर तक एलसीएस के कार्य क्षेत्र के गाँव, स्कूल और कालेज स्तर पर नियमित अभियान निम्नलिखित मुद्दों को लेकर चलाया गया :

1– किशोरियों की शिक्षा और कौशल विकास का महत्व

2– मोबाईल फोन का उपयोग ,दुश्प्रयोग और प्रभाव

3– सुरक्षित स्पर्श और असुरक्षित स्पर्श

4– महिलाओं और लडकियों के लिए कल्याणकारी योजनायें

5– बाल बिबाह

6–लैंगिक भेदभाव ,जेंडर असमानता

7– माहवारी स्वास्थ्य और स्वच्छता

इन सभी विषयों पर विस्तृत समझ विकसित करने के लिए लूडो खेल,कंचा खेल,बुकलेट,ब्रोसर,पर्चा,पोस्टर,कैलेण्डर,पोस्ट कार्ड ,कहानी आदि माध्यम का उपयोग किया गया । अभियान के तहत 15 कार्यक्रम किये गया जिसमें 1035 किशोरियां भाग लीं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवसपर, 25 नवम्बर को, महिला हिंसा के विरोध में 16 दिवसीय जागरूकता अभियान की शुरुवात की गई.

गाँव की महिला किशोरियों की अहम् भूमिका एवं नेतृत्व रहा

अभियान की प्रक्रिया : परचा वितरण, सभा, रैली, कैंडल मार्च, दीवाल लेखन, महिला हिंसा सम्बंधित समस्या का समाधान, इत्यादि

पहला दिन 6 गॉवों में और 2 स्कूलों में अभियान चलाया गया

संविधान दिवस

26 नवम्बर को लोक चेतना समिति के तीन ब्लाकों के अलग – अलग पंचायतों में संविधान दिवस मनाया गया। संविधान को लोगों तक पहुंचाना, उसके मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए लोगों को अवगत करना तथा संवैधानिक अधिकार एवं कर्तव्य की जानकारी देना हमारा मुख्य उद्देश्य रहा। संविधान की जानकारी गाँव के बहुत ही कम लोगों को है वह भी मामूली व सीमित है।

महिला हिंसा के बिरोध में 16 दिवसीय अभियान 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक

अभियान का नारा : "महिलाओं के खिलाफ हिंसा मानवाधिकारों का उल्लंघन है""महिलाओं के खिलाफ हिंसा को खत्म करने के लिए एकजुट हों #No Excuse"

अभियान की प्रक्रियाः सभा, रैली, पर्चा वितरण,दीवाल लेखन, कैंडल मार्च, हस्ताक्षर अभियान,

जागरूकता का कार्यक्रम

चिरईगांव ,चोलापुर और केराकत ब्लाक के 70 ग्राम पंचायतो और 12 इण्टर कालेज में किया गया जिसमे लगभग 3500 महिला, पुरुष , युवा और छात्र छात्राओं की भागीदारी रही ।

महिला हिंसा से सम्बन्धित 10 घटना सामने आये जिसपर कुछ का समाधान भी किया गया है

भारत रत्न डाक्टर भीमराव अंबेडकर जी के परिनिर्वाण दिवस

अभियान का बारहवां दिन भारत रत्न डाक्टर भीमराव अंबेडकर जी के परिनिर्वाण दिवस के साथ महिला हिंसा के विरोध में अभियान चलाया गया ।

6 दिसम्बर को 14 पंचायतों में अभियान चलाया गया

इस दिन डा. भीमराव अंबेडकर की बातों को याद किया गया कि, "1942 में नागपुर में अखिल भारतीय वंचित वर्ग महिला सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा था कि किसी भी समुदाय की प्रगति को, उस समाज की महिलाओं की प्रगति से मापा जा सकता है।"

मानवाधिकार दिवस : अब हमारा समय है– हमारे अधिकार, हमारा भविष्य

महिला हिंसा पखवाडा, यानि महिला हिंसा के विरोध में स्थानीय स्तर पर गावों में चलाये गए दो सप्ताह के अभियान, 10 दिसम्बर को मानवाधिकार दिवस के दिन संपन्न हुआ .

चोलापुर बाजार, चौबेपुर बाजार, विशुनपुरा अंबेडर

पार्क और जौनपुर के रतनुपुर बाजार, नरेंद्र बहादुर सिंह हाई स्कूल के छात्र–छात्राओं के साथ कार्यक्रम किया गया ।

कार्यक्रम : सभा एवं मानव श्रृंखला

दिवाली मिलन समारोह : विश्व में शांति हेतु सर्व धर्म प्रार्थना सभा

लोक चेतना समिति मुख्य कार्यालय में दिवाली मिलन समारोह के अवसर पर विश्व में शांति हेतु सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। यूक्रेन और रूस के बीच का युद्ध,इस्रायल द्वारा फिलिस्तीन– गाजा पट्टी में किए जा रहे नरसंहार और अन्य कुछ देशों में हो रहे गृहयुद्ध हिंसा, बहुमूल्य जान की बरबादी और विनाश अशांति का माहौल बनाया है।

मुख्य संदेशः हर इंसान एक–दूसरे से जुड़ा हुआ है। आपसी भाईचारा का माहौल बनाने में हम सभी की भूमिका होनी चाहिए। अहिंसा परमो धर्म की अवधारणा सभी को अपनाना अत्यावश्यक है। अहिंसा से शांति भावना बढ़ता है, हिंसा से अशांति फैलती है, नफरत और वैमनस्य फैलाता है। हम सब मिलकर दिया जलाकर शांति का संदेश देते चलें !

कार्यक्रम का समापन मुख्य कार्यालय से कैंडल मार्च निकालकर शहीद स्मारक, चिरईगाँव खंड विकास कार्यालय तक किया गया

क्रिसमस मिलन समारोह

सर्व धर्म सम्भाव को लेकर लोक चेतना समिति के प्रांगण में 23 दिसम्बर को क्रिसमस मिलन समारोह का आयोजन किया गया। विभिन्न धर्म के लोगों की उपस्थिति रही.

विषयः "एक दूसरे को प्यार करो"

सन्देशः बंधुता, प्रेम एव भाईचारा भारतीय संविधान में निहित अनभिज्ञ मूल्य है, इस पर आधारित समाज को आगे बढ़ाना है. संपूर्ण विश्व में प्यार को बढ़ावा देने की जरूरत है. देश भर में भाईचारा की संस्कृति गंगा जमुनी तहजीब को बढ़ावा देना होगा. समाज में एक दूसरे के प्रति इंसानियत का व्यवहार करना ही एक दूसरे को प्यार करने का सही प्रमाण है.

भागीदारीः 200

चेतना छात्रवास की बच्चियों का सांस्कृतिक कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

दिनांक 13 दिसंबर 2024 को लोक चेतना समिति मुख्य कार्यालय के प्रांगण मे अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम मे दिव्यांग बच्चों के द्वारा नींबू – चम्मच दौड़, बोरिया दौड़, तथा बैलून दौड़ की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और अन्य खेल भी खेलाया गया। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों ने डांस और गीत प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान में आए बच्चों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। अतिथि के रूप में बाल विकास परियोजना अधिकारी, श्री. विजय कृष्ण उपाध्याय, समाज कल्याण विभाग, से श्री. विकास जी और स्वास्थ्य विभाग से चिकित्सा प्रभारी श्री. अशोक जी और प्रेम जीवन ज्योति स्कूल के प्रबंधक एवं डायरेक्टर श्री. पवन जी ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर दिव्यांग जनों और उनके अभिभावकों को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ महत्वपूर्ण जानकारी दिये। दिव्यांग बच्चों के विकास हेतु उपलब्ध सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दिये। इस बात पर भी जोर दिये कि दिव्यांग जनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने की जिम्मेदारी हम सबकी है, और समाज की है। उनको अवसर प्रदान करने की ज्यादा जिम्मेदारी हमारी है। कार्यक्रम में 35 ग्राम पंचायत से 160 अभिभावक और दिव्यांग बच्चों के साथ अन्य बच्चों की भी उपस्थित रही।

दिव्यांगता की रोकथाम और शीघ्र पहचान हेतु आशा, एनम, आँगनवाड़ी बहनों के साथ एक दिवसीय प्रशिक्षण

दिनांक 29 नवम्बर 2024 को लोक चेतना समिति मुख्य कार्यालय के सभागार में दिव्यांगता की रोकथाम और शीघ्र पहचान हेतु एनम, आंगनवाड़ी, आशा बहनों के साथ एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया.। मुख्य प्रशिक्षणकर्ता, प्रेम जीवन ज्योति विद्यालय के प्रबंधक और डायरेक्टर पवन जी थे। प्रशिक्षण के मुख्य विन्दु: दिव्यांगता की शीघ्र पहचान और रोकथाम हेतु जानकारी देना व बच्चों में दिव्यांगता के लक्षण पाये जाने पर उस बच्चे को डॉक्टर के पास जांच के लिए ले जाने हेतु अभिभावकों को प्रेरित करना। इससे समय पर बच्चों को इलाज हो सके व दिव्यांगता की तरफ जाने से रोका जा सके। प्रशिक्षण में 22 ग्राम पंचायत से 110 आँगनवाड़ी, एनम, आशा बहनो के साथ साथ बाल विकास परियोजना अधिकारी विजय कृष्ण उपाध्याय और स्वास्थ विभाग से बीसीपीएम – अशोक जी की उपस्थिति रही।

चेतना छात्रावास

इस साल चेतना छात्रावास में कुल 40 बालिकाएँ हैं। पूर्व 30 बालिकाओं के साथ 10नई बालिकाओं का प्रवेश हुआ है। 9 बालिकाऐं इंटर मीडिएट कॉलेज बरियासनपुर में पढ़ने जाती हैं और 21 बालिकाऐं प्राथमिक विद्यालय बरियासनपुर में । 10 बालिकाओं को गृह शिक्षा यानी छात्रावास में ही पढ़ाकर उनकी तैयारी की जा रही है। इन बालिकाओं को अगले शैक्षणिक वर्ष में स्कूल भेजा जाएगा।

सभी बालिकाऐं पढ़ाई में अच्छी हैं। प्राथमिक विद्यालय बरियासनपुर में पढ़ रही बालिकाओं की अर्धवार्षिक परीक्षा हो चुकी है, रिजल्ट का इतजार है। पढ़ाई के साथ साथ बालिकाऐं योगासन, पी टी, खेलकूद, चित्रकला, पाककला में भी रूचि रखती हैं। बालिकाओं में रचनात्मकता के साथ समग्र विकास हेतु

मार्गदर्शन किया जाता है।

शिक्षक दिवस

दिनांकः 05/09/2024 को डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर चेतना छात्रावास की बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्होंने कार्यक्रम के माध्यम से चेतना छात्रावास की शिक्षिका सावित्री जी को सम्मानित किया । सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत, नृत्य, कविता, चुटकुला, तथा डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन के बारे में कुछ बातें भी रखीं। बालिकाओं ने सुंदर–सुंदर गुलदस्ता बनाकर कार्यक्रम में सजाकर चार चाँद लगा दिया। पूरे कार्यक्रम को बालिकाओं ने मिल कर तैयार कीं। उनकी रचनात्मकता देखने को मिला। बालिकाओं की सुंदर कलाकृति ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में संस्था सचिव डॉ. जयंत भाई, निदेशिका रंजू सिंह, जिला समन्विका पूनम दीक्षित और सुजीत जी उपस्थित रहे।

अभिभावक बैठक

लोक चेतना समिति द्वारा संचालित चेतना छात्रावास में पढ़ रही बालिकाओं के अभिभावकों के साथ इस अवधि में दो बैठक हुई हैं । बैठक में अलग –अलग विषय जैसे : शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल–विवाह, रूढ़िवादी सोच, आदि विषयों पर चर्चा करके बदलते परिवेश में खुद को अनुकूलन करने के लिए समझ बनाया गया है । बालिकाओं को शिक्षित करने के साथ – साथ अभिभावकों को भी शिक्षित व जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। जिससे सभी अभिभावकों बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें, उनके विकास और स्वच्छता के प्रति जागरूकता हों। जिन बच्चों के अभिभावक पिछले दो–तीन साल से जुड़े हैं उनमें बदलाव दिख रहा है। अभिभावक प्रति माह अपने बच्चों से मिलने आते हैं, घर पर रह रहे उनके बच्चों को भी स्कूल में पढ़ने के लिए भेजते हैं । अभिभावकों में जागरूकता आने पर बच्चों को पढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। इस तरह बच्चियों में परिवर्तन के साथ साथ अभिभावकों में भी काफी परिवर्तन देखने को मिलता है।

अन्य गतिविधियों का फोटो

–: सम्पर्क :–

लोक चेतना समिति

चिरईगाँव ब्लाक मुख्यालय के पास
पो.– बरियासनपुर, वाराणसी – 221112
फोन – 0542 2616289, मो. 9450249555,

आर्थिक सहयोग के लिए जानकारी

Name - Lok Chetana Samiti
Bank - SBI, Sarnath
Account Number - 10255120233
IFSC - SBIN0004560

loksamiti@vahoo.co.in lcsvaranasi@gmail.com, www.lcsvns.org

https://www.facebook.com/public/Lok-Chetana-Samiti-Varanasi http://lcsvns.org/